सांध्य दैनिक

4PM

दूसरों की आलोचना करना और उनकी भावना को ठेस पहुँचाना आसान है, लेकिन खुद को जानना पूरी जिन्दगी ले लेता है।

–ब्रूस ली

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 305 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 16 दिसम्बर, 2022

एडीजी लॉ एंड आर्डर के मातहत होंगे... 8 | मैनपुरी व रामपुर में कौन जीतेगा... 3 | यूपी में भाजपा अब नहीं करेगी... 7

100 दिन : 2376 किमी.

कदम दर कदम बढ़ रहा 'भारत जोड़ो' का कारवां

जयपुर में कांग्रेस की यात्रा के 100 दिन का जश्न आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के आज 100 दिन पूरे हो गए। राहुल गांधी की पदयात्रा में कदम दर कदम 'भारत जोड़ो' का कारवां बढ़ता जा रहा है। देश के दक्षिणी भाग कन्या कुमारी से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर भारत के राजस्थान प्रांत में अपने कर्तव्यपथ पर अग्रसर है। यह यात्रा देश में 3750 किमी. की दूरी तय करेगी। आज तक 2376 किमी. का रास्ता राहुल गांधी अपनी टीम के साथ पूरा कर चुके हैं। यात्रा का जो संदेश है उसकी झलकियां भी आये दिन आ रही तस्वीरों में दिखाई पड़ रही है।

भारत जोड़ो यात्रा के 100 दिन पूरे होने पर आज राहुल गांधी जयपुर में म्यूजिक इवेंट में शामिल होंगे। वे आज राजस्थान में पहली बार प्रेस कांफ्रेंस भी करने जा रहे हैं। आज दौसा में करीब 22 किलोमीटर की यात्रा के बाद राहुल गांधी दोपहर 1.30 बजे जयपुर पहुंचे। उनके साथ हेलिकॉप्टर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और सचिन पायलट भी थे।

भारत जोड़ो यात्रा का आज राजस्थान में 12वां दिन है। दौसा में यात्रा के दौरान राहुल गांधी के सामने सचिन पायलट के समर्थन में जमकर नारेबाजी हुई। बता दें कि, दौसा जिला पायलट परिवार का गढ़ माना जाता है। कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे राजेश पायलट यहां के सबसे पॉपुलर नेताओं में शुमार हैं। राहुल गांधी की यहां 4 बजे अस्पताल रोड के नए कांग्रेस ऑफिस में प्रेस कांफ्रेंस होगी। उनका नाइट स्टे जयपुर में ही होगा। यात्रा के स्वागत के लिए राजधानी जयपुर में शुक्रवार शाम एक म्यूजिक इवेंट रखा गया है।

यात्रा की झलकियां

- सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से हुई भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत।
- देश में करीब 3750 किलोमीटर चलेगी राहुल गांधी की यात्रा।
- यात्रा अभी तक 2600 किमी की दूरी तय कर चुकी है।
- संभवतः फरवरी में कश्मीर पहुंचकर खत्म होगी यात्रा।
- यात्रा अब तक केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश होते हुए इस समय राजस्थान में है।
- 24 दिसबंर को यह यात्रा राजधानी दिल्ली में दाखिल होगी।
- आठ दिनों के ब्रेक के बाद उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और अंत में जम्मू और कश्मीर की ओर बढ़ेगी।
- कर्नाटक के मांड्या में मां सोनिया गांधी भी यात्रा में शामिल हुईं।
- यात्रा में लेखक, अभिनेता, इकोनॉमिस्ट, एक्टिविस्ट, सोशल साइंटिस्ट, किसान, मजदूर, खिलाड़ी जैसे -सभी वर्गों के लोग शामिल हो रहे हैं।
- यात्रा के दौरान राहुल गांधी का बच्चों के प्रति प्रेम भी खूब देखने को मिला। उन्होंने बच्चों के साथ डांस किया तो कई बार बच्चों को कंधों पर भी उठा लिया।
- यात्रा के दौरान राहुल ने कर्नाटक के मैसूर में भारी बारिश के बीच एक जनसभा को संबोधित किया।
- राजस्थान में प्रियंका गांधी ने कदम से कदम मिलाया।
- यात्रा में कई अलग-अलग जगत की कई हस्तियां शामिल हुईं। इनमें आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन, अभिनेत्री पूजा भट्ट, आकांक्षा पुरी, अमोल पालेकर, रश्मि देसाई, बॉक्सर विजेंद्र सिंह, कॉमेडियन कुनाल कामरा, अभिनेत्री स्वरा भास्कर, रिया सेन, आनंद पटवर्धन, सामाजिक कार्यकर्ता अरुणा रॉय, पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल एल रामदास, शिवसेना के आदित्य ठाकरे और एनसीपी की सुप्रिया सुले, तेलंगाना में रोहित वेमुला की मां शामिल हुईं।

दुष्कर्म का आरोपी पूर्व गृह मंत्री स्वामी चिन्मयानंद भगोड़ा घोषित

» सार्वजनिक स्थानों पर नोटिस चस्पा करने के अदालत ने दिए आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शाहजहांपुर। शिष्या से दुष्कर्म के 11 साल पुराने मुकदमे में अब पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री चिन्मयानंद को फरार घोषित कर दिया गया है। मामले में गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद भी चिन्मयानंद गुरुवार को कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। जिसके बाद अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-तृतीय/एमपी-एमएलए कोर्ट असमा सुल्ताना ने चिन्मयानंद को फरार मानते हुए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-82 के तहत कार्रवाई करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने आदेश की प्रति सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा किए जाने का आदेश जारी किया है। मुकदमे की अगली तारीख 16 जनवरी तय की है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक नीलिमा सक्सेना ने

बताया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा चिन्मयानंद को 30 नवंबर तक अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-तृतीय/एमपी-एमएलए कोर्ट में आत्मसमर्पण करने के लिए आदेशित किया गया था। इसके बावजूद चिन्मयानंद कोर्ट में नहीं हाजिर हुए। गुरुवार को चिन्मयानंद की ओर से उनके अधिवक्ता कोर्ट में हाजिर हुए। अधिवक्ता के द्वारा चिन्मयानंद ने अदालत में प्रार्थना पत्र दिया कि वह एक कमजोर और बुजुर्ग हैं, गंभीर बीमारियों के कारण कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से हाजिर नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने हाईकोर्ट, इलाहाबाद में अग्रिम जमानत के लिए प्रार्थनापत्र दिया है, जिसकी सुनवाई 19 दिसंबर को होनी है। चिन्मयानंद ने एनबीडब्ल्यू की प्रक्रिया में रियायत देते हुए उपस्थिति के लिए समय प्रदान करने का अनुरोध किया।

विशेष लोक अभियोजक नीलिमा सक्सेना की ओर से इस पर मौखिक आपत्ति दर्ज की गई। अभियुक्त द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का अनुपालन नहीं किया गया। चिन्मयानंद के खिलाफ पहले से ही गैर जमानती वारंट जारी है। पत्रावली पर किसी भी सक्षम न्यायालय का स्थगन आदेश मौजूद नहीं है। पत्रावली में रिपोर्ट लगी है कि चिन्मयानंद लगातार फरार चल रहे हैं। जीडी में दर्ज है कि आरोपी की तलाश में दबिश दी गई, लेकिन वह नहीं मिले। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि चिन्मयानंद हरिद्वार गए हुए हैं। अभी तक वापस नहीं आए हैं। इस पर अदालत ने सभी तथ्यों के मद्देनजर स्वामी चिन्मयानंद के खिलाफ गैर जमानती वारंट व दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-82 के तहत आदेशिकाएं जारी करने का आदेश जारी किया। इसके तहत चिन्मयानंद के निवास स्थान, किसी सार्वजनिक स्थान, न्यायालय आदि स्थानों पर उद्घोषणा की प्रति चस्पा की जाए। आदेश के अनुपालन के लिए एसपी और संबंधित थानाध्यक्ष को आदेशित किया जाए। अदालत ने अग्रिम कार्यवाही के लिए 16 जनवरी की तारीख तय की है।

स्वाति मालीवाल का स्पीकर से आग्रह

निर्भया कांड की दसवीं बरसी पर संसद में महिला सुरक्षा पर हो चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख स्वाति मालीवाल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखकर सदन का कार्य स्थगित करके महिला सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा कराने का आग्रह किया है। स्वाति मालीवाल ने निर्भया हत्याकांड की 10वीं बरसी के चलते इस मुद्दे पर चर्चा कराए जाने की बात कही है।

16 दिसंबर 2012 को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मुनिरका इलाके में सामुहिक दुष्कर्म की घटना दर्ज हुई थी जिसने पूरे देश को हिला दिया था। यह घटना 23 साल की युवती के साथ घटित हुई थी जिसमे आरोपितों ने महिला के साथ बेरहमी से दुष्कर्म को अंजाम दिया था।

युवती अपने मित्र के साथ एक बस में चढ़ी थी जिसमें उन दोनों के अलावा 6 आरोपित मौजूद थे। इन लोगों ने युवती के साथ ना केवल सामूहिक रूप से दुष्कर्म किया था बल्कि महिला को गहरी चोट भी

फांसी पर लटकाये गये थे आरोपी

इस घटना के सामने आने के बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए। महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा राष्ट्रीय राजधानी में जोरो से उठा। पूरे देश से दोषियों को सख्त सजा सुनाए जाने की मांग उठी। मामले को लेकर सभी आरोपितों से सेक्सुअल असॉल्ट और मर्डर की धारा लगाई। इसके बाद कोर्ट में मुकदमा चला जिसके बाद आरोपितों को फांसी की सजा सुनाई गई।

पहुंचाई थी। इस घटना के 11 दिनों बाद महिला ने अस्पताल में दम तोड़ दिया था।

ट्विटर फॉलोअर्स में केजरीवाल योगी-शिवराज से बहुत आगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एलन मस्क के अधिग्रहण के बाद से ट्विटर की काफी चर्चा हो रही है। मस्क हर रोज नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। ब्लू टिक, यलो टिक से लेकर यूजर्स से पैसा वसूलने तक की खबरें आ रहीं हैं। दुनिया में भारत तीसरे नंबर पर है, जहां सबसे ज्यादा ट्विटर का यूज होता है।

अमेरिका में कुल सात करोड़ 69 लाख यूजर्स हैं। दूसरे नंबर पर जापान है। यहां पांच करोड़ 89 लाख ट्विटर यूजर्स हैं। भारत की बात करें तो यहां कुल दो करोड़ 36 लाख लोग ट्विटर यूज करते हैं। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री से लेकर नेता, अभिनेता और आम लोग तक इसमें शामिल हैं।

देश के मुख्यमंत्रियों के ट्विटर अकाउंट के बारे में बात करें तो सबसे ज्यादा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के ट्विटर

2 करोड़ 67 लाख फॉलोअर्स हैं। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, उत्तराखंड के पुष्कर सिंह धामी समेत देश के अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों के फॉलोअर्स से उनकी संख्या कहीं अधिक हैं।

नेताजी के विचारों को बढ़ाएंगे आगे : आदित्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इटावा। समाजवादी पार्टी के सभी कार्यकर्ता और नेता मैनपुरी उपचुनाव में मिली जीत काफी उत्साहित हैं। इटावा पहुंचे शिवपाल सिंह के बेटे आदित्य उर्फ अंकुर यादव ने कहा कि मैनपुरी उपचुनाव में जीत की प्रमुख वजह सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की रणनीति रही। उन्होंने कहा कि हम सभी नेताजी के बताए हुए रास्ते पर चलेंगे, उनके विचारों को आगे बढ़ाएंगे, यही जिम्मेदारी होगी। शिवपाल सिंह को क्या जिम्मेदारी मिलेगी, क्या मिल गया है इस पर मैं यह कहना चाहूंगा कि हमें बढ़ा हुआ उत्साह मिल चुका है। आदित्य ने कहा कि अखिलेश यादव ने मैनपुरी में जिस प्रकार से प्रचार किया। परिवार ने एकजुट होकर प्रचार किया, इससे मैनपुरी ही नहीं, पूरे उत्तर प्रदेश के समाजवादी लोगों में जोश उत्साह की लहर है। समाजवादी पार्टी अब अगले चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने वाली है। तैयारी पूरी तरह से चल रही है। निकाय चुनाव में समाजवादी पार्टी की बड़ी जीत होगी।

आदित्य यादव ने कहा कि जसवंत नगर में हम जनता के साथ लगातार काम करते रहे हैं। जसवंत नगर वह क्षेत्र है, जहां से नेता जी ने राजनीति की शुरुआत की है। जसवंत नगर का नेतृत्व हम लोगों के लिए खुशी की बात है। जसवंत नगर में अब जो भी प्रत्याशी होगा, उसको भारी बहुमत से जिताने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मैनपुरी के उप चुनाव से परिवार की एकजुटता का मैसेज पूरे देश में गया है। इसी कारण आने वाले निकाय चुनाव में और 2024 के चुनाव में बड़ी जीत मिलने वाली है।

आदित्य ने आगे कहा कि शिवपाल सिंह वह शख्सियत हैं, जिन्होंने इतना काम किया है कि सपा का कोई भी पद जस्टिफाई नहीं करता है। पार्टी में पद देखकर शिवपाल सिंह ने काम नहीं किया है। नेताजी के पास जब कुछ भी नहीं था, साइकिल लेकर उनके लिए प्रचार किया। समाजवादी पार्टी को आगे बढ़ाया। पद यह सब सेकेंडरी चीजें होती हैं। आदित्य ने कहा कि हम लोग एक विचारधारा को लेकर आगे बढ़े थे। नेताजी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाएंगे।

एकता, मानवता और अखंडता के लिए लड़ता है बंगाल : ममता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य हमेशा मानवता, एकता और अखंडता के लिए लड़ता रहा है और इन मुद्दों पर किसी के सामने झुकता नहीं है। कोलकाता में नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित 28वें कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (केआईएफएफ) के उद्घाटन सत्र में बनर्जी ने कहा कि बंगाल का संघर्ष का लंबा इतिहास रहा है।

उन्होंने कहा कि बंगाल एकता, मानवता, विविधता और अखंडता के लिए लड़ता रहा है। यह संघर्ष जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा राज्य न किसी के आगे झुकता है और न भीख मांगता है। संयोग से, पश्चिम बंगाल सरकार ने बार-बार केंद्र से

आग्रह किया है कि वह जीएसटी के साथ-साथ मनरेगा के बकाया का निपटान करने के लिए कोष जारी करे। अपने भाषण के दौरान, मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय और वैश्विक सिनेमा में योगदान देने के लिए बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए।

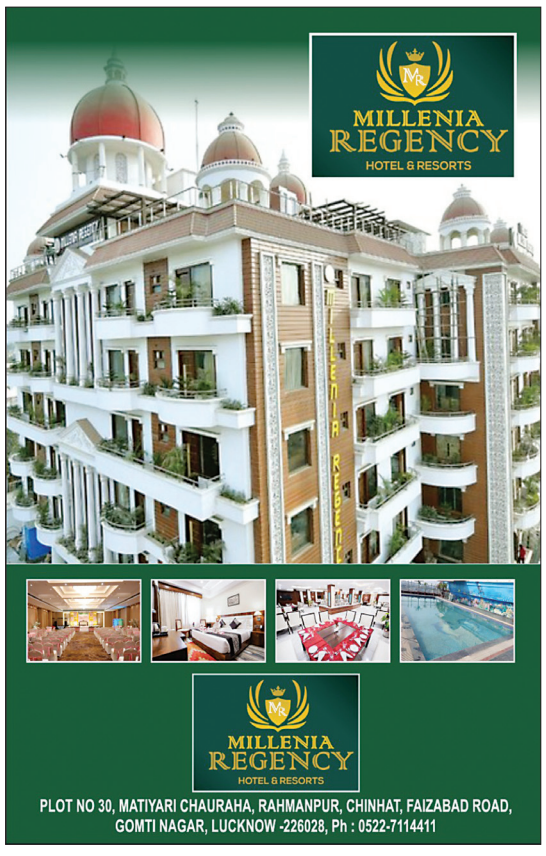

मैनपुरी व रामपुर में कौन जीतेगा रण भाजपा-सपा में फिर होगी चुनावी जंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में अब नगर निकाय चुनाव को लेकर सरगर्मी काफी तेज हो गई है। सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी रणनीति तैयार करने में लगे हैं। इस बार भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। खासकर इन दोनों ही राजनीतिक दलों के बीच रामपुर और मैनपुरी में एक रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है। क्योंकि एक ओर जहां समाजवादी पार्टी का गढ़ कहे जाने वाले रामपुर में भाजपा ने लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल कर रामपुर में अपना कमल खिलाया है, तो वहीं मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल कर सपा के भी हौसले काफी बुलंद हैं।

ऐसे में इन दोनों जगहों पर प्रदेश के इन प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच एक कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। अगर नगर निकाय की बात करें तो रामपुर में शहरी निकायों में समाजवादी पार्टी अभी भी काफी भारी है, तो वहीं मैनपुरी में निकाय चुनाव में भाजपा का दबदबा बना हुआ है। ऐसे में यहां मुकाबला दिलचस्प होगा।

निकाय चुनाव में कड़े मुकाबले के आसार

सपा सरकार में आजम खां के सियासी कद में इजाफे के साथ रामपुर में सपा का दबदबा चुनाव दर चुनाव बढ़ता गया। दरअसल, सपा सरकार में नगर विकास मंत्री रहे आजम ने इस जिले के नगरीय इलाकों का विस्तार भी खूब करवाया, जिसका असर यहां की सियासी फिजाओं में तारी रहा। रामपुर जिले में अभी पांच नगर पालिका परिषदें हैं- रामपुर, मिलक, स्वार, टांडा और बिलासपुर। वहीं, नगर पंचायतों की बात करें तो इनकी संख्या पिछले चुनाव में जहां सिर्फ तीन थी, अब वो बढ़कर छह हो गई है। 2017 के शहरी निकाय चुनावों में सपा ने आठ में से छह पर अपना कब्जा जमाया था, जबकि टांडा नगर पालिका परिषद और मसवसी नगर पंचायत भाजपा के हिस्से आई थीं। वहीं स्वार नगर पालिका परिषद चेयरमैन रेशमा सपा के सिंबल पर जीती थीं, लेकिन जीत के बाद उनका सियासी रुझान सपा की तरफ नहीं रहा। 2019 के बाद से जिस तरह चुनाव दर चुनाव भाजपा का फोकस रामपुर की तरफ बढ़ा, उसका परिणाम भी पिछले कुछ चुनावों में सामने दिख रहा है। पहले लोकसभा उपचुनाव और फिर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने यह सीट अपने हक में कर ली। ऐसे में भाजपा उत्साहित है और अब वह पूरी ताकत निकायों पर कब्जा करने में झोंकने की तैयारी में है। ऐसे में निकाय चुनाव दिलचस्प होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस बार तीन नगर पंचायतों में पहली बार चुनाव होंगे।

एक-दूसरे की सियासी रणनीति से हैं वाकिफ

इस बीच हुए चुनावों के दौरान सपा और भाजपा एक दूसरे की चुनावी रणनीति से वाकिफ भी हो गए हैं। ऐसे में जब कुछ ही अंतराल पर दोनों दल शहरी निकाय के चुनाव में एक-दूसरे के सामने होंगे, तो मुकाबला रोचक होने की उम्मीद है। रामपुर में सपा प्रशासन की सख्ती को शक्ति का दुरुपयोग बताता रहा है। ऐसे में जब इस बार शहरी निकाय के चुनाव होंगे तो उसे वहां अपनी रणनीति बदलनी होगी। उसे देखना होगा कि कैसे वह अपने वोटरों को घरों से पोलिंग बूथ तक ला सके जबकि भाजपा एक बार फिर अपनी नीति के साथ आगे बढ़ेगी ताकि वह इन निकायों पर कब्जा जमा सके, जहां पहले सपा का दबदबा रहा है। इसके लिए मुस्लिम दांव लगाने पर विचार चल रहा है। वहीं मैनपुरी चुनाव में भले ही सपा ने भाजपा को पछाड़ दिया, लेकिन अब भी राजनीतिक गलियारों में सवाल साफ है कि क्या सपा अपना वही तेवर बनाए रखेगी? लोग तो यह भी कह रहे हैं कि चूंकि मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव सपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल था लिहाजा और डिंपल चुनाव मैदान में थीं, इस वजह से इतना जोर लगाया गया।

सपा के गढ़ में है भाजपा का दबदबा

अब अगर बात करें मैनपुरी की, तो वैसे तो इस पूरे जिले को ही समाजवादी पार्टी का गढ़ माना जाता रहा है। लेकिन पिछले कुछ चुनावों में भाजपा ने यहां अपना कमल खिलाया है। यही हाल 2017 के हुए निकाय चुनावों में भी था। 2017 में शहरी निकाय चुनावों में मैनपुरी नगर पालिका परिषद और छह नगर पंचायतों पर भाजपा अपना चेयरमैन जितवाने में सफल रही थी। जबकि भोगांव और कुशमरा नगर पंचायत का चेयरमैन सपा समर्थित उम्मीदवार बने थे। इस बार मैनपुरी में एक और नगर पंचायत बरनाहल का गठन हुआ है। इस नगर पंचायत में पहली बार चुनाव होगा। ऐसे में इस बार यहां पर कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद जताई जा रही है। हाल ही में हुए मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने रिकॉर्डतोड़ मतों से ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। इसलिए सपा भी यहां पर अपनी पूरी ताकत से उतरने का मन बना चुकी है। इसके अलावा चाचा-भतीजे के एक साथ आने से भी सपा को उम्मीद है कि उसे इसका फायदा अवश्य मिलेगा।

बिहार में शराबबंदी पर 'जान' के लिए काल बना 'जाम'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में 'जाम' एक बार फिर लोगों के लिए 'काल' बन गए। राज्य के छपरा जिले में मंगलवार को कथित रूप से जहरीली शराब पीने से शुरू हुआ मौतों का सिलसिला अभी तक थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। बुधवार शाम तक मौतों का ये आंकड़ा करीब 50 के पार हो चुका है, जिसके अभी और भी बढ़ने के आसार हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री लोगों के सवालों के जवाब और कार्यवाही देने की जगह ये कह रहे हैं कि 'जो शराब पीएगा, वो मरेगा ही।' इससे पहले भी इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं। इसी साल जनवरी माह में नालंदा जिले में 11 लोगों की शराब पीने से मौत हो गई थी, वहीं उससे दो महीने पहले ही गोपालगंज जिले में जहरीली शराब पीने से 40 लोगों की मौत हुई थी। ऐसे में अब छह साल से शराबबंदी लागू करने वाले राज्य में आए दिन शराब पीने से हो रहीं मौतों के मामलों ने सरकार समेत पूरे शासन-प्रशासन को सवालों के घेरे में लाकर खड़ा दिया है। हालांकि, ये कोई पहला मौका नहीं है कि बिहार में शराब लोगों के लिए काल बनी हुई हो। इससे पहले भी कई बार ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। लेकिन मुद्दा ये है कि जिस राज्य में छह साल से शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू किया गया हो, वहां हर साल शराब पीने से ही होने वाली मौतों के आंकड़ों में कोई कमी नजर नहीं आ रही हो, तो फिर सवाल उठने तो बनते ही हैं।

शराबबंदी वाले जिले में आखिर लगातार शराब पहुंच कैसे रही है। इसको लेकर सरकार से लेकर शासन-प्रशासन, सभी पर आरोप लगाए जाते हैं। हालांकि, प्रदेश में इतनी भारी मात्रा में शराब आ कहां से रही है, इस पर अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। लेकिन वहां के लोगों का भी ये ही कहना है कि प्रदेश के छोटे-बड़े हर जिले में शराब की बिक्री हो रही है। यहां बहुतायत मात्रा में और जब चाहे, तब मिल रही है। यही वजह है कि सिर्फ दो दिनों में तीन दर्जन से भी अधिक लोग काल के गाल में समा चुके हैं। जब भी कोई नया मामला सामने आता है तो हंगामा मचता है फिर धीरे-धीरे समय के बीतने के साथ मामला ठंडा पड़ जाता है और लोग भूल जाते हैं। मगर राज्य में शराब की बिक्री का खेल यूं ही अनवरत चलता रहता है।

राज्य में शराब का खेल सियासत नहीं रहा अछूता

बिहार में शराबबंदी कानून साल 2016 से लागू है, लेकिन न शराब की बिक्री पर रोक है और न ही किसी के शराब पीने पर। हर साल लोग शराब बेच रहे हैं, खरीद रहे हैं, पी रहे हैं और उसको पीकर मर रहे हैं। ऐसे में सवाल ये ही कि फिर ऐसी शराबबंदी से आखिर क्या फायदा। बिहार सरकार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, इस साल राज्य में करीब 40 लाख लीटर अवैध शराब ज़ब्त की गई है। इसमें करीब आधी मात्रा विदेशी शराब की है, जबकि आधे से कुछ ज्यादा देशी शराब है। अवैध शराब के मामलों में इस साल एक लाख 38 हजार से ज्यादा मामले भी दर्ज किए गए हैं। इतना ही नहीं सिर्फ नवंबर महीने में ही सरकारी एजेंसियों ने तीन लाख लीटर से ज्यादा शराब ज़ब्त किया है। बिहार राज्य में साल 2016 में शराबबंदी लागू की गई थी। वहीं कुछ आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर महीने तक बिहार में शराबबंदी कानून तोड़ने के मामले में कुल पांच लाख से ज्यादा 5,05,951 केस दर्ज हो चुके हैं। बीते छह साल में करीब ढाई करोड़ लीटर (24226060) अवैध शराब जब्त की गई है। इस दौरान शराबबंदी कानून तोड़ने के मामले में साढ़े छह लाख से ज्यादा (655770) लोगों की गिरफ़्तारी भी हुई है। यही वजह है कि हर साल शराब पीकर मरने वालों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी होती जा रही है। इस साल भी शराब पीने से अब तक करीब 70 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं साल 2021 में भी राज्य में शराब पीने से मरने वालों की संख्या 90 से ऊपर बताई जाती है। यानी राज्य में शराबबंदी कानून लागू होने के बाद भी हर साल शराब पीने से लोगों की मौत होने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं।

बिहार से दिल्ली तक मचा कोहराम

पिछले दो दिनों में 40 से ज्यादा मौतें हो जाने के बाद अब बिहार से लेकर दिल्ली तक राज्य में शराब की बिक्री और सरकार के इस्तीफे को लेकर हंगामा मचा हुआ है। एक ओर बिहार विधानसभा में विपक्ष के विधायक हंगामा कर रहे हैं और विधानसभा का घेराव कर मुख्यमंत्री का इस्तीफा मांग रहे हैं, तो वहीं दिल्ली में लोकसभा में भी भाजपा द्वारा इस मुद्दे को तेजी से उठाया जा रहा है और सरकार से सवाल किए जा रहे हैं। विरोधी शराबबंदी कानून पर बहस की मांग कर रहे हैं। मौत के आंकड़ों को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। सरकार अपने बचाव में है और कह रही है कि सबकी सहमति से शराबबंदी लागू की थी। सवाल सबसे बड़ा है कि इन मौतों के बाद जो जिंदगी उजड़ गई, जो परिवार उजड़ गए, उसका जिम्मेदार कौन है? देश के अन्य राज्यों में शराब से होने वाली मौतों की बात सामने आती है, लेकिन उसमें दोषी प्रत्यक्ष होता है, क्योंकि शराब छुपकर नहीं पी जाती। खुलेआम खरीदकर पी जाती है। बिहार में शराबबंदी कानून लागू है, इसलिए लोग इसका सेवन छुपकर करते हैं। शराब तस्करों से खरीदकर करते हैं। मौत की घटना के बाद शराब तस्कर फरार और प्रशासन कभी-कभार बीमारी से मौत का बहाना बनाकर पल्ला झाड़ लेता है।

50 से ज्यादा लोगों की हो चुकी मौत अब तक छपरा में जहरीली शराब पीने से

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मुफ्त राशन पर गर्व करें या गम मनाएं?

पिछले दिनों देश के कई अलग-अलग राज्यों में लगे होर्डिंग ने आपका भी ध्यान आकर्षित किया होगा। इन होर्डिंग में लिखा था 80 करोड़ जनता को मुफ्त राशन शुक्रिया मोदीजी। सरकार के अलग-अलग कार्यक्रमों में इस बात का जोर-शोर से प्रचार किया गया की मोदीजी ने देश की 80 करोड़ जनता को लगातार मुफ्त राशन दिया है, जो अभी भी जारी है। अब ये बात गर्व करने की है या फिर दु:ख मनाने की, कि इस राष्ट्र की 80 फीसदी आबादी के पास इतने संसाधन भी नहीं है कि वो दो वक्त की रोटी का इंतजाम कर सकें। इससे ज्यादा और क्या हो सकता है कि देश इस हालात में पहुंच गया जहां लोगों के पास खाने को पैसे भी नहीं हैं। सारे देश के संसाधन मुट्ठी भर लोगों के पास हैं और आम जनता दो जून की रोटी के लिए तरस रही है।

चाणक्य ने कहा था कि किसी भी राजा के लिए इससे शर्मनाक बात कोई दूसरी नहीं हो सकती कि उसके राज में कोई भूखा सो जाए, मगर भारत में तो ये आबादी लगातार बढ़ती जा रही है। सबसे गंभीर बात ये है कि इस देश के भाग्य विधाता के इस कदम पर गर्व करें अथवा दु:ख मनाएं? उधर, क्या सरकार देश में जनता की पतली हुई हालत का बखान स्वयं कर रही है? इतना ही नहीं भारत को विश्वगुरु बनाने का दावा करने वाली पार्टी के नेता की फोटो होर्डिंस पर लगाकर मास्टर स्ट्रोक के तौर पर फ्री राशन का गुणगान सरकारी खर्च पर हो रहा है। इसका भार भी देश की जनता के ऊपर ही पड़ रहा है। यानी जिसको सरकार अपना मास्टर स्ट्रोक मार रही है उसकी दोहरी मार देश ही झेल रहा है।

दुनिया के परिदृश्य पर अगर बात भुखमरी के मुद्दे पर की जाए तो भारत इस मामले में अपने पड़ोसी पाकिस्तान से भी ऊपर आ गया है। भुखमरी की रैंकिंग में भारत को दुनिया में 2022 के आंकड़ों में 107वां स्थान मिला है। जबकि 2021 में देश का 101वां नंबर था। इस बार पाकिस्तान को 99वां, बांग्लादेश 84 और श्रीलंका 64वें पायदान पर आया है। अब सवाल यह उठता है कि इस पर गर्व करें या गम मनाएं? ऐसे में जहां सरकार जनता को दिए जा रहे मुफ्त राशन का देश में प्रचार-प्रसार के जरिए ढिंढोरा पीट रही है, वहीं दुनिया हमें दूसरी ही नजरों से देख रही है। ऐसी स्थिति में सरकार को प्रचार पर खर्च होने वाले सरकारी खजाने को बचाने और देश में बढ़ती भुखमरी दर को कम की करने की ओर आवश्यक कदम उठाने की जरूरत है। ताकि भारत की आबादी को अपने लिए दो जून की रोटी जुटाना आसान हो सके।

दुनिया के परिदृश्य पर अगर बात भुखमरी के मुद्दे पर की जाए तो भारत इस मामले में अपने पड़ोसी पाकिस्तान से भी ऊपर आ गया है। भुखमरी की रैंकिंग में भारत को दुनिया में 2022 के आंकड़ों में 107वां स्थान मिला है। जबकि 2021 में देश का 101वां नंबर था। इस बार पाकिस्तान को 99वां, बांग्लादेश 84 और श्रीलंका 64वें पायदान पर आया है। अब सवाल यह उठता है कि इस पर गर्व करें या गम मनाएं?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विपक्ष का एकजुट होना लोकतंत्र के लिए जरूरी

रजनीश कपूर

हाल ही के चुनावों में मिले-जुले परिणाम आए हैं। दिल्ली, गुजरात और हिमाचल में जो नतीजे आए हैं उनका अनुमान लगा रहे राजनैतिक पंडितों की भविष्यवाणी काफ़ी हद तक सही साबित हुई। विपक्षी दलों ने जिस तरह कमर कस कर इन चुनावों में पहले के मुक़ाबले बेहतर प्रदर्शन किया है, उससे अब यह बात तो स्पष्ट है कि विपक्षी दल 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले 2023 में नौ राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनावों को काफ़ी गंभीरता से ले रहे हैं। बिखरा हुआ विपक्ष किसी भी लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं होता। शायद इसीलिए तमाम क्षेत्रीय दलों के नेता एक दूसरे के साथ बैठकें कर रहे हैं और आगे की योजना बना रहे हैं।

गुजरात में भाजपा ने जीत का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वहाँ प्रधान मंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की कड़ी मेहनत रंग लाई। पर हिमाचल और दिल्ली में शिकस्त के बाद, भाजपा के नेतृत्व को आने वाले चुनावों की तैयारी में जुटना होगा। विपक्षी दलों को भी इस बात का मंथन करना पड़ेगा कि यदि वो एकजुट नहीं हुए तो वो अपने-अपने राज्यों तक ही सिमट कर रह जाएँगे। उधर केजरीवाल फैक्टर को नजरअंदाज करना भी ठीक नहीं होगा।

दिल्ली एमसीडी के चुनाव में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को बहुमत मिला। भाजपा समर्थक इसे 15 साल की 'एंटी इनकम्बेंसी' बता रहे हैं। वहीं केजरीवाल बढ़-चढ़ कर दावे कर रहे हैं कि उन्हें उनके काम पर वोट मिला। जिस तरह केजरीवाल ने 'दिल्ली मॉडल' का ढोल पीट-पीट कर पंजाब में अपनी सरकार बनाई, ठीक उसी तरह दिल्ली की एमसीडी में भी अपनी पकड़ बना ली। परंतु हिमाचल और गुजरात में उनका 'झाड़ू' नहीं चल सका। राजनैतिक पंडितों के अनुसार इसके पीछे का कारण केवल विपक्ष की एकता का न होना है।

मिसाल के तौर पर गुजरात के नतीजों को अगर गौर से देखें तो कई सीटों पर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के वोटों को अगर जोड़ा जाए तो भाजपा को मिले वोटों के मुकाबले वो संख्या काफी अधिक है। इसका मतलब यह हुआ कि विपक्षी एकता न होने के कारण भाजपा को न मिलने वाले वोट बंट गये। इसका सीधा फायदा भाजपा को ही हुआ और वो ऐतिहासिक जीत हासिल कर पाई। शायद इसीलिए केजरीवाल को भाजपा के लिए विपक्ष के वोट काटने वाला कहा जा रहा है। परंतु जिस तरह केजरीवाल ने हिमाचल के चुनावों में गुजरात और दिल्ली जैसी ताकत नहीं झोंकी और कांग्रेस को इसका फायदा मिला, उससे तो यही लगता है कि आम आदमी पार्टी ने वोट काटने का ही काम किया है।

आमतौर पर जब भी किसी राज्य में उपचुनाव हुए हैं, फिर वो चाहे लोक सभा हो या विधान सभा, वहाँ पर सत्तारूढ़ दल ही विजयी होता है। परंतु 2017 के लोक सभा उपचुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य की सीट सत्तारूढ़ भाजपा के पक्ष में नहीं जा सकी। इसका कारण था सपा और बसपा का समझौता। ठीक उसी तरह मुलायम सिंह की मृत्यु के बाद मैनपुरी के उपचुनाव में डिंपल यादव की ऐतिहासिक जीत का कारण केवल सहानुभूति नहीं था। नेताजी जैसे कद्दावर नेता की लोकप्रियता को देखते हुए भाजपा को भी और दलों की तरह इस चुनाव में किसी उम्मीदवार को नहीं खड़ा करना चाहिए था। परंतु अपना उम्मीदवार उतार कर भाजपा ने अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया है।

राहुल गांधी का गुजरात में 'भारत जोड़ो यात्रा' न निकालना भी एक गलत निर्णय था। परंतु यदि वे सोच लेते कि उन्हें गुजरात में मोदी-शाह की जोड़ी को ध्वस्त करना है तो उन्हें केजरीवाल के साथ कुछ सीटों पर समझौता कर लेना चाहिए था। उनका ऐसा न करना भाजपा के फायदे में रहा। जो भी हो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जून खड़गे तो अभी से चुनावी मोड में आ चुके हैं। उन्होंने आगामी विधान सभा चुनावों की रणनीति तय करने के लिए पदाधिकारियों की बैठकें बुलानी शुरू कर दी है। शायद उन्हें इस बात का विश्वास है कि हिमाचल की जीत को अन्य राज्यों में दोहराया जा सकता है। चुनाव के बाद तमाम टीवी चर्चाओं में राजनैतिक विश्लेषक इस बात पर खास जोर दे रहे हैं कि विपक्षी दलों को आपस में एकजुट हो कर चुनावी मैदान में उतरना चाहिये था। जो भी क्षेत्रीय दल अपने-अपने राज्यों में एक मजबूत स्थिति में हैं उन्हें 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले जानता के बीच अभी से प्रचार करना चाहिए।

विपक्षी दल यदि एक दूसरे के वोट नहीं काटेंगे तो उनकी एकता के चक्रव्यूह को भेदना भाजपा या किसी अन्य बड़े दल के लिए मुश्किल होगा। ऐसा केवल तभी हो सकता है जब सभी विपक्षी दल एकजुट हो जाएँ एक आम सहमति पर पहुंच कर चुनाव लड़ें। सफल लोकतंत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष का मजबूत होना जरूरी है। विपक्ष मजबूत तभी होगा जब एकजुट होगा।

नए वर्ष का आर्थिक पूर्वानुमान

अजीत रानाडे

बीते दो सप्ताह में भारतीय अर्थव्यवस्था पर कई रिपोर्टों और लेखों का प्रकाशन हुआ है। इनमें सबसे अहम सरकार द्वारा जारी किया गया आर्थिक आंकड़ा है, जिसमें चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) की आर्थिक वृद्धि का आकलन है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय आम तौर पर दो माह की देरी से यह आंकड़ा देता है, जो यह नवंबर के आखिर में जारी हुआ। दूसरी बड़ी रिपोर्ट भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति से आयी।

समिति ने इस वर्ष की वृद्धि के अनुमान के साथ मुद्रास्फीति की संभावित स्थिति के बारे में बताया है। इस रिपोर्ट के आने से एक दिन पहले विश्व बैंक ने इस साल और अगले साल की भारत की वृद्धि का अनुमान जारी किया था। वैश्विक बैंक मॉर्गन स्टैनली ने आगामी एक दशक में भारत की संभावनाओं पर रिपोर्ट दी है, जिसे बहुत चर्चा मिली है। इनके अलावा भी कई विश्लेषण आये हैं, जिनमें शेयर बाजार, कर संग्रहण, यातायात, ढुलाई, कॉरपोरेट लाभ आदि के आंकड़ों के आधार पर विचार किया गया है। क्या सभी बड़ी रिपोर्टों में परस्पर सहमति दिखती है, यह विचारणीय है।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने इस वर्ष की अनुमानित वृद्धि दर को सात से घटाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है। उसमें वैश्विक सुस्ती, भारतीय निर्यात पर नकारात्मक असर और भू-राजनीतिक तनावों पर चिंता जतायी गयी है। इन कारकों में उच्च ब्याज दरें और शायद भारत जैसे उभरते बाजारों में कम पूंजी प्रभाव जैसी वैश्विक वित्तीय स्थितियां भी योगदान कर रही हैं। समिति ने कहा है कि शेष दो तिमाहियों में वृद्धि दर में और कमी आयेगी तथा इनके क्रमश: 4.3 और 4.2 प्रतिशत रहने के आसार हैं। इसमें कुछ भी अजूबा नहीं है। आप समिति पर अनावश्यक ढंग से आशंकित होने का आरोप नहीं लगा सकते हैं। दूसरी ओर देखें, तो विश्व बैंक ने अपने आकलन में सुधार कर अनुमानित दर के 6.5 की जगह 6.9 प्रतिशत रहने की बात कही है। इसका आधार घरेलू अर्थव्यवस्था में संभावित बेहतरी है। इनकी आशंका और आशावाद विरोधाभासी लग सकते हैं, पर उनका अनुमानित आंकड़ा लगभग समान है। ऐसे में कहा जा सकता है कि विश्व बैंक पहले अधिक आशंकित था, इसलिए बाद में उसने अनुमान बढ़ाया है। मॉर्गन स्टैनली की रिपोर्ट तो असाधारण रूप से उत्साहित है। उसने भावी एक दशक का आकलन कर भविष्यवाणी की है कि हमारी अर्थव्यवस्था का आकार दोगुना होकर 8.5 ट्रिलियन डॉलर हो जायेगा तथा प्रति व्यक्ति आय भी बढ़ेगी।

यह रिपोर्ट स्टॉक मार्केट के वैश्विक निवेशकों को लक्षित है और उन्हें यह बताती है कि भारत के स्टॉक मार्केट की वृद्धि निवेशकों और कंपनियों के लिए बड़ा अवसर है। हालांकि इससे अभी असहमत होने की वजह नहीं है, पर लंदन के फाइनेंशियल टाइम्स ने इस पर टिप्पणी करते हुए निवेशकों से सचेत रहने को कहा है।

अब सरकार द्वारा तैयार आंकड़ों को देखा जाए। दूसरी तिमाही में पिछले साल इसी अवधि की तुलना में वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रही है, जबकि पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में यह दर 13.5 प्रतिशत रही थी। इस तरह सुस्ती स्पष्ट है और अगली तिमाहियों में दरें और कम हो सकती हैं। अर्थव्यवस्था का आकार 2019 की तुलना में 7.5 प्रतिशत ही अधिक है, जिसका अर्थ है कि बीते तीन वर्षों में औसत सालाना वृद्धि दर मात्र 2.5 प्रतिशत रही है। निर्यात में अक्टूबर में गिरावट आयी है और इस पर वैश्विक मंदी का बुरा असर पड़ा है। कीमती पत्थर, आभूषण और इंजीनियरिंग में बीते साल अक्टूबर की तुलना में 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आयी है। अमेरिका में तकनीकी क्षेत्र में भारी छंटनी के कारण सॉफ्टवेयर निर्यात भी प्रभावित होगा।

जहां तक सरकारी सहयोग की बात है, तो चूंकि घाटे को और बढ़ाने की वित्तीय गुंजाइश नहीं है, इसलिए अगले साल के लिए उम्मीद नहीं रखी जा सकती है। केंद्र और राज्यों का सकल वित्तीय घाटा कुल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) के 10 फीसदी से भी अधिक है। जीडीपी की तुलना में कर्ज का अनुपात भी 90 प्रतिशत के उच्च स्तर पर है। वित्तमंत्री ने निजी क्षेत्र से निवेश बढ़ाने का आह्वान किया है। हालांकि ये शुरुआती संकेत हैं, पर आंकड़े बहुत सुस्त हैं। हाल में बैंक कर्ज में हुई प्रभावी वृद्धि को लेकर हमें सतर्क रहना होगा क्योंकि अधिकांश वृद्धि आवास, वाहन कर्ज और खुदरा कर्ज पर आधारित है। यह उपभोक्ताओं के बहुत छोटे हिस्से से आया है। असली वृद्धि औद्योगिक एवं व्यावसायिक परियोजनाओं के कर्ज से होनी चाहिए। उपभोक्ता खर्च पर दो चीजों का असर पड़ा है-मुद्रास्फीति और महंगाई।

सभी चार संचालक तत्व-उपभोक्ता, निवेशक, सरकार और निर्यात- चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसलिए 2023 में कमतर वृद्धि दर अपेक्षित है। साथ ही, विनिमय दर से भी चुनौतियां हैं क्योंकि व्यापार घाटा बड़ा है। ब्याज दरों में बढ़ोतरी से कर्ज और पूंजी का खर्च भी बढ़ता जा रहा है। भारत इससे सांत्वना ले सकता है कि दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से उसकी वृद्धि दर अधिक है। लेकिन अगले साल मजबूती बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि कमतर वृद्धि देश के गरीबों के लिए अधिक मुसीबत न लाये।

सेहत का खजाना है आंवला

मामूली सा दिखने वाला आंवला सेहत का खजाना है। यह कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। कई राज्यों में इसे 'आंवलाकी' के नाम से भी जाना जाता है। आंवला विटामिन सी का अच्छा स्रोत है। ज्यादातर आयुर्वेदिक दवाइयों में इसका इस्तेमाल किया जाता है। आंवला में विटामिन्स के अलावा, फाइबर, फोलेट, एंटी-ऑक्सिडेंट्स, फॉस्फोरस, आयरन, ओमेगा 3, मैग्निशियम और कैल्शियम पाया जाता है। अगर आप सर्दी-खांसी से परेशान हैं तो आंवले का सेवन कीजिए। इसमें मौजूद विटामिन सी सर्दी-खांसी के लिए रामबाण इलाज है। सुबह और शाम दो चम्मच शहद के साथ दो चम्मच आंवला पाउडर लीजिए। जल्द आपको इसके फायदे देखने को मिलेंगे। बालों के लिए आंवला काफी फायदेमंद होता है। यह एक नैचुरल कंडीशनर है। आंवले का सेवन करने से स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है, जिससे आपको हेयर फॉल की समस्या से भी मुक्ति मिलती है।

सुबह खाली पेट जरूर खाएं आंवले का मुरब्बा

आंवला सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह यह आप भी जानते होंगे। वहीं आंवले से बना मुरब्बा भी सेहत को कई फायदे देता है। लेकिन आंवले के मुरब्बे को अगर खाली पेट खाया जाए तो यह सेहत के लिए काफी लाभदायक होता है। जी हां रोज एक आंवले का मुरब्बा खाने से आप कई बीमारियों की चपेट में आने से बच सकते हैं। आंवले का मुरब्बा स्वाद में काफी अच्छा होता है जिसे घर के बच्चों से लेकर बुजुर्गों के आसानी से दिया जा सकता है। ऐसे में हम यहां आपको बताएंगे कि आंवले का मुरब्बा खाने के क्या-क्या लाभ हो सकते हैं?

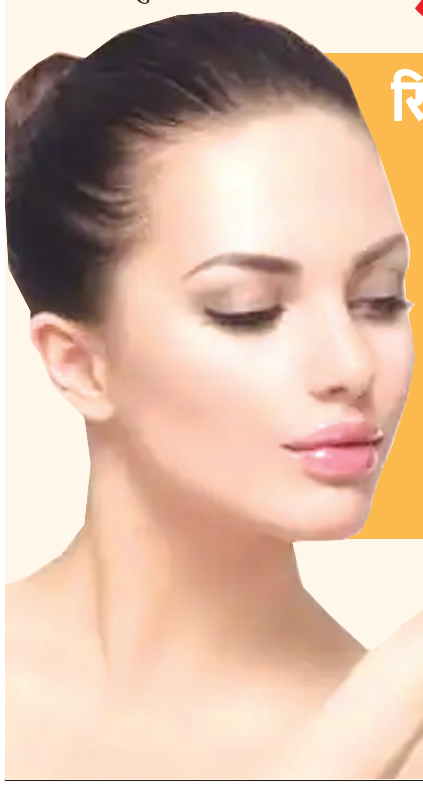

स्किन के लिए फायदेमंद

आंवले का मुरब्बा स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। वहीं रोज सुबह आंवले का मुरब्बा खाने से स्किन से झाइयां, पिंपल्स और स्किन के निशान दूर होते हैं। आंवले में भरपूर मात्रा में विटामिन ई और विटामिन ए होता है जो बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करने में मदद करता है। इतना ही नहीं इससे चेहरे पर ग्लो भी बढ़ता है। आंवले को एंटी-ऐजिंग फ्रूट भी कहा जाता है। इसमें मौजूद विटामिन सी इम्युनिटी बढ़ाता है। बीमारियों से बचने के लिए आंवले का सेवन जरूर करें।

वजन कम करने में है मददगार

आंवले का मुरब्बा वजन कम करने में भी मददगार होता है।आंवले में भरपूर मात्रा में अमिनो एसिड्स पाए जाते हैं जो शरीर के मेटॉबोलिजम को सुधारने में मदद करते हैं। इसलिए अगर रोजाना सुबह खाली पेट आंवले का सेवन करते हैं तो वजन घटाने में मदद मिलती है।

कोलेस्ट्रॉल लेवल को करता है कम

आंवला आपको बीमारियों से तो बचाता ही है, साथ ही यह शरीर में कोलेस्ट्रॉल के लेवल को भी कम करता है। आंवला आंखों के लिए भी काफी लाभदायक होता है। कंजंक्टिवाइटिस या फिर आंखों की अन्य बीमारियों से निजात पाने के लिए आप रोजाना इसका सेवन करें। आप आंवले को अचार, मुरब्बा या किसी भी फॉर्म में खा सकते हैं।

हार्ट के मरीजों के लिए है लाभदायक

आंवले का मुरब्बा दिल के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद होता है। आंवले का मुरब्बा खाने से शरीर से बैड कोलेस्ट्रोल का स्तर कम होता है। अगर आप इसका रोजाना सेवन करते हैं तो आपको दिल संबंधित बीमारियां कम होती हैं। ये हार्ट को हेल्दी रखने में मदद करता है।

हंसना मना है

आलिया ने न्यूज पेपर में न्यूज पढ़ी, 'पुलिस ने 80 किलोग्राम हीरोइन पकड़ी' आलिया: शिट यार, सोनाक्षी पकड़ी गई!

बेटा : मुबारक हो मां। आज मेरी सात जन्म के लिए नौकरी लग गई है। मां : अच्छा बेटा वह कैसे? बेटा : क्योंकि मां मुझे एक टीवी सीरियल में काम मिल गया है।

भिखारी: भगवान के नाम पर कुछ दे दो। लड़की: कुछ नहीं है बाबा, माफ करो। भिखारी: कुछ नहीं तो अपना मोबाइल नंबर ही दे दो, बाबा दुआ भी करेगा और मैसेज भी!

बंता अपनी गर्लफ्रेंड से बात करने की कोशिश में फोन करता है: ट्रिंग ट्रिंगज्आंटी पायल है? महिला: हां बेटा, दोनों पैरों में है।

लड़का: मैं तुम्हारे साथ शादी नही कर सकता। घर वाले नही मान रहे। लड़की: तुम्हारे घर में कौन कौन है। लड़का: एक बीवी और 2 बच्चे।

अध्यापक ने उरेश से कहा- सुरेश ! तुम कक्षा में सबसे पीछे हो? सुरेश ने कहा- नहीं मास्टरजी! मेरे पीछे दीवार भी है।

एक लड़की को देखा तो ऐसा...लगा, दूसरी लड़की को देखा तो वैसा...लगा, और जब दोनों ने गाल पर थप्पड़ मारे...तो एक जैसा लगा....

कहानी | चालाक लोमड़ी

सालों पहले एक जंगल में गधा, लोमड़ी और शेर के बीच अच्छी दोस्ती हो गई। तीनों ने एकदिन बैठकर साथ में शिकार करने के बारे में सोचा। कुछ देर बाद सबने मिलकर तय किया कि शिकार करने के बाद उसपर तीनों का बराबर हक होगा। कुछ ही दूरी पर उन तीनों को जंगल में हिरण दिखा। एकदम तीनों ने हिरण पर झपट्टा मारने की कोशिश की। उसे देखते ही वो तेजी से दौड़ने लगा। तभी मौका देखकर शेर ने हिरण का शिकार कर दिया। गधा, लोमड़ी और शेर तीनों काफी खुश हो गए। मरे हुए हिरण के तीन हिस्से करने के लिए शेर ने अपने दोस्त गधे को कहा। जैसा पहले तय हुआ था उसी हिसाब से गधे ने शिकार को तीन बराबर हिस्सों में बांट दिया। ये देखकर शेर को बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। वो गुस्से में जोर-जोर से दहाड़े मारने लगा। दहाड़ते-दहाड़ते शेर ने गधे पर हमला कर दो हिस्से में बांट दिया। लोमड़ी ये सब होते हुए देख रही थी। तभी शेर ने एकदम से लोमड़ी को कहा कि चलो दोस्त अब तुम इस शिकार का अपना हिस्सा ले लो। लोमड़ी चालाक और समझदार दोनों ही थी। उसने बड़ी ही अकलमंदी के साथ हिरण के शिकार का तीन चौथाई हिस्सा शेर को दे दिया और खुद के लिए एक चौथाई हिस्सा ही बचाया। इस तरह हुए शिकार के हिस्से से शेर काफी खुश हो गया। उसने हंसते हुए लोमड़ी से कहा कि अरे वाह! तुमने एकदम मेरे मन का काम किया है। तुम्हारा दिमाग काफी तेज है।' इतना कहते ही शेर ने लोमड़ी से पूछा कि तुम इतनी समझदार कैसे हो? तुम्हें कैसे पता चला कि मैं क्या चाहता हूं? तुमने इतनाअच्छे से शिकार का हिस्सा लगाना कहा से सीखा है?'शेर के सवालों का जवाब देते हुए लोमड़ी बोली कि आप जंगल के राजा हैं और आपको कैसे हिस्सा लगाना है, ये समझना मुश्किल नहीं है। साथ ही मैंने उस गधे की हालत भी देख ली थी। उसके साथ जो कुछ भी हुआ उससे सीख लेते हुए मैंने ऐसी समझदारी दिखाई है।' जवाब सुनकर शेर काफी खुश हुआ। उसने कहा कि तुम सच में बुद्धिमान हो।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आपकी राजनैयिक योग्यताओं एवं कठिन परिश्रम से आपकी अच्छी आय की वापसी हो सकती है जिससे आपके अधिकारियों पर आपके प्रति अच्छी धारणा बन सकती है।

वृषभ

मानसिक चिंताएं आज आपको धार्मिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित नहीं करने देंगी।लेकिन मानसिक शक्ति प्राप्त करने के लिए अपने दिमाग को सर्वोच्च शक्ति में बदलना बुद्धिमान हो सकता है।

मिथुन

आज आपको सगे संबंधियों से आर्थिक मदद मिलेगी।करियर में आपको अपने गुरु का सहयोग प्राप्त हो सकता है।आप नकारात्मक सोच से खुद को थोड़ा उदास रख सकते हैं।

कर्क

कार्यस्थल पर उन लोगों को पहचानने की कोशिश करें, जो आपकी छवि खराब करने पर तुले हैं या फिर आपका काम बिगाड़ने पर उतारू हैं।

सिंह

भविष्य के बारे में चिंता आज आपके दिमाग पर कब्जा कर सकती है।आपके कार्यस्थल पर आपके वरिशें से हासिल समर्थन आप लोगों को स्वयं के कार्यों को बिल्कुल समाप्त करने में काफी मदद करेगा।

कन्या

आज आपका दिन शानदार रहेगा।नौकरीपेशा लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है।उन्हें काम से जुड़ी कोई खुशखबरी मिलेगी।

तुला

आज आप अपनी मेहनत व साथियों की मदद से सफलता प्राप्त कर सकेंगे।अपने समूह में सभी को उत्साहित करके एक साथ काम करें।

वृश्चिक

आज आपके अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करने से आप थोड़ा उतेजित हो सकते हैं।आपके वित्त के लिए यह एक अच्छा दिन होगा क्योंकि आज आपके लिए आय के कई स्रोत खुलेंगे।

धनु

आज आप माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा।

मकर

आज आपका रुझान अध्यात्म की ओर रहेगा। अपने असली रूप को पहचाने और आध्यात्मिक ज्ञान को बढ़ाने की कोशिश करें। इस राह पर चलने से आपको बहुत लाभ होगा।

कुम्भ

कुंभ राशि वालों को अपनी जिम्मेदारियों पर पूरा ध्यान देना होगा।कार्यस्थल पर जांच रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि आपके सहयोगी आपके धैर्य और समझ का परीक्षण कर सकते हैं।

मीन

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा।उनके साथ बिताएं गए कुछ पल आपके रिश्ते को और भी मजबूत बनायेंगे।आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त हो सकता है।

बॉलीवुड | की शादी

विशाल सिंह का हाथ थाम कर दुल्हन बनीं देवोलीना

साथ निभाना साथिया की गोपी बहू यानी कि देवोलीना भट्टाचार्जी आखिरकार दुल्हन बन गई हैं। हल्दी और मेहंदी सेरेमनी की तस्वीरें और वीडियो शेयर करने के बाद एक्ट्रेस ने दुल्हन के गेटअप में अपनी नई तस्वीर शेयर की है। कई फैंस उन्हें दुल्हन के रूप में देख गदगद हो गए हैं। देवोलीना की शादी की तस्वीर पर सोशल मीडिया के हर सेक्शन पर उन्हें बधाई दी जा रही है, तो वहीं कुछ इसे फेक बता रहे हैं। मंगलवार 13 दिसंबर को देवोलीना ने हल्दी और मेहंदी सेरेमनी से कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। हालांकि, उन्होंने अपने होने वाले दूल्हे का नाम नहीं बताया। लेकिन मेहंदी में होने वाले पति की एक झलक जरूर देखने को मिली। वहीं, देवोलीना की हल्दी सेरेमनी में विशाल सिंह के साथ उनकी तस्वीरें सामने आने के बाद फैंस यह कयास लगा रहे थे कि दोनों शादी करने वाले हैं। कुछ ने इसे मजाक बताया, तो कुछ इस जोड़ी के एक होने का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। इस कपल ने फैंस के इंतजार को खत्म करते हुए शादी की पहली तस्वीर शेयर की है। विशाल सिंह ने देवोलीना भट्टाचार्जी की दुल्हन के गेटअप में तस्वीर शेयर की है। शाइनिंग शेरवाली पहने विशाल ने इस मौके पर देवोलीना का हाथ थामा हुआ है। जैसे ही यह तस्वीर सामने आई, फैंस द्वारा उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर बधाइयों का तांता लग गया है। कई लोगों ने उन्हें कॉन्ग्रैचुलेशन्स कहा है। तो वहीं, कुछ इसे फेक बता रहे हैं। कई फैंस को उनकी यह तस्वीर कई फैंस को पसंद नहीं आई।

कंगना रनोट को फिर याद आया बहन रंगोली चंदेल पर हुआ एसिड अटैक, कहा-कोई मुझ पर भी...

श्रद्धा वालकर मर्डर केस अभी तक पूरी तहर से शांत भी नहीं हुआ था कि एक बार फिर से दिल्ली बुरी तरह से दहल गई है। दिल्ली एसिड अटैक मामले ने आज पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। 17 वर्षीय एक लड़की पर दिल्ली के द्वारका में उस वक्त एसिड अटैक हुआ जब वह स्कूल से निकलकर घर जा रही थी। उस वक्त लड़की के साथ उनकी छोटी बहन थी जब उस पर दो बाइक सवारों ने एसिड फेंका।

इस घटना से आज फिर से लोगों को नींदे उड़ा दी हैं। वहीं अब दिल्ली के एसिड अटैक मामले पर अभिनेत्री कंगना रनोट ने रिएक्ट किया है। ये भयानक दर्द कंगना की बड़ी बहन रंगोली चंदेल भी झेल चुकी है। ऐसे में दिल्ली की घटना ने कंगना ने की बहन रंगोली के एसिड हमले की दर्दनाक यादों को ताजा कर दी हैं। कंगना रनोट ने हमेशा ही हर मुद्दे पर अपनी राय देती नजर आती हैं। ऐसे में दिल्ली एसिड अटैक मामले पर रिएक्ट करने से भला को खुद को कैसे रोक पाती। कंगना ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट शेयर करते हुए बहन रंगोली चंदेल के साथ हुए एसिड अटैक के भयानक और दर्दनाक यादों को ताजा किया। कंगना ने अपने पोस्ट में लिखा कि जब मैं एक टीनेजर थी, उस वक्त मेरी बहन रंगोली चंदेल पर सड़क छाप रोमियो ने तेजाब से हमला किया था ... इसके बाद उसे 52 सर्जरी से गुजरना पड़ा, उसे जिस मानसिक और शारीरिक चोट से गुजरना पड़ा इसकी कल्पना कोई नहीं कर सकता है। हमारा पूरा परिवार बर्बाद हो गया था... उस वक्त मुझे भी थेरेपी से गुजरना पड़ा था, क्योंकि मुझे डर था कि मेरे पास से गुजरने वाला कोई भी व्यक्ति मुझ पर तेजाब फेंक सकता है, जिसके कारण हर बार जब कोई बाइकर, कार, कोई अजनबी मेरे पास से गुजरता था तो मैं अपना चेहरा ढक लेती थी।

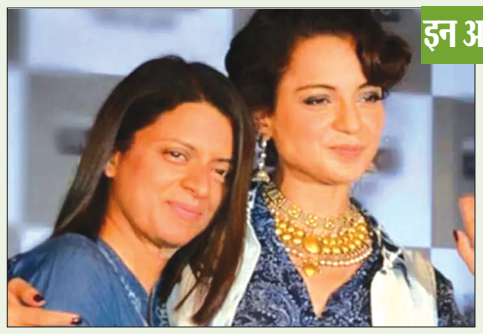

इन अपराधों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की जरूरत

कंगना रनोट ने अपने इस नोट में सरकार से गंभीर और कड़े रूप से कार्रवाई करने की बात लिखी है। कंगना ने लिखा कि यह अत्याचार अभी तक रुके नहीं हैं...सरकार को इन अपराधों के खिलाफ बहुत कड़ी कार्रवाई करने की जरूरत है... मैं गौतम गंभीर से सहमत हूं। हमें एसिड हमलावरों के खिलाफ बहुत सख्त कदम उठाने की जरूरत है। कंगना का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

क्या शाहरुख करेंगे पठान का ग्रैंड प्रमोशन?

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान अपनी आगामी फिल्म पठान को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। हालांकि, सोशल मीडिया पर पठान को काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। हालिया रिलीज बेशर्म रंग गाने पर यूजर्स बेहद नाराजगी जता रहे हैं। इसी बीच यह खबर आ रही है कि शाहरुख अपनी फिल्म पठान को बड़े स्तर पर प्रमोट करेंगे।

किंग खान को काफी समय से कई फिल्मों में कैमियो करते देखा गया, लेकिन शाहरुख के फैंस को उनकी लीड फिल्म का बेसब्री से इंतजार था। साल 2023 में फिल्म पठान के साथ शाहरुख धमाकेदार वापसी करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि मेकर्स ने इस फिल्म को बड़े स्तर पर बनाया है। ऐसे में वे चाहते हैं कि इस फिल्म का प्रमोशन भी बड़े स्तर पर किया जाए। हाल ही में, सोशल मीडिया पर एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें जानकारी दी गई है कि शाहरुख फीफा विश्व कप फाइनल में अपनी फिल्म पठान का प्रमोशन करेंगे। इस सूचना के बाद किंग खान के फैंस काफी उत्साहित हैं और उन्होंने अभिनेता को शुभकामनाएं दीं। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी तक इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में हो सकते हैं शामिल

बता दें कि फीफा वर्ल्ड कप नवंबर 2022 में शुरू हुआ था और इसका फाइनल मुकाबला 18 दिसंबर को खेला जाएगा। वर्क फ्रंट की बात करें तो शाहरुख अपनी आगामी फिल्म पठान को लेकर काफी व्यस्त हैं। इस फिल्म को सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में शाहरुख खान के अलावा दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में, इस फिल्म का पहला गाना बेशर्म रंग रिलीज हुआ, जो लगातार ट्रोलिंग का शिकार हो रहा है।

अजब-गजब | दुनिया की अनोखी सड़क

जिसको बनाने में हुआ हड्डियों का इस्तेमाल

आपने पूरी दुनिया में तरह-तरह की सड़कों के बारे में सुना और पढ़ा होगा। किसी सड़क को बनाने के लिए कॉन्करीट का इस्तेमाल किया गया है तो किसी को बनाने के लिए सीमेंट, गिट्टी और पत्तथरों का। लेकिन आपने हड्डियों से बनी हुई एक अनोखी सड़क के बारे में शायद ही सुना होगा। दरअसल, रूस में एक सड़क पूरी तरह से हड्डियों से बनी हुई है। ये सड़क रूस के सुदूरवर्ती पूर्वी इलाके में स्थित है जिसकी लंबाई 2,025 किलोमीटर है जिसे कोलयमा हाइवे के नाम से जाना जाता है।

रूस के इरकुटस्क इलाके में स्थित इस रोड एक बार फिर से इंसानी हड्डियां और कंकाल मिले हैं। स्थानीय सांसद निकोलय त्रूफनोव का कहना है कि सड़क पर हर जगह बालू के साथ इंसानों की हड्डियां बिखरी पड़ी हुई हैं। यह कितना भयावह नजारा है, मैं इसका वर्णन नहीं कर सकता हूं। उधर, सड़क के अंदर से इंसानी हड्डियां निकलने के बाद स्थानीय पुलिस भी इनकी जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि ठंड के मौसम में बर्फ से जम जाने वाले इस इलाके में सड़क पर गाड़ियां न फिसलें, इसके लिए इंसानी हड्डियों को बालू के साथ मिलाकर उसके ऊपर डाला गया है। बताया जा रहा है कि

इस सड़क को बनाने के लिए करीब ढाई लाख से लेकर 10 लाख लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था। यह हाइवे पश्चिम में निझने बेस्टयाख को पूर्व में मगडान से जोड़ता है। एक समय में कोलयमा तक केवल समुद्र या विमान के द्वारा ही पहुंचा जा सकता था। लेकिन साल 1930 के दशक में सोवियत संघ में स्टालिन के तानशाही दौरान के दौरान इस हाइवे निर्माण शुरू हुआ।

इस दौरान सेववोस्तलाग मजदूर शिविर के बंधुआ मजदूरों और कैदियों की मदद से साल 1932 में इसका निर्माण शुरू किया गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इस हाइवे को बनाने में गुलग के 10 लाख कैदियों और बंधुआ मजदूरों को लगाया गया। इन कैदियों में साधारण दोषी और राजनीतिक अपराध के दोषी दोनों ही तरह के कैदी शामिल थे।

इनमें से कई ऐसे कैदी भी थे जो सोवियत संघ के बेहतरीन वैज्ञानिक भी थे। इनमें रॉकेट वैज्ञानिक सर्गेई कोरोलेव भी शामिल थे। उन्होंने साल 1961 में रूस को अंतरिक्ष में पहला इंसान भेजने में मदद की। इन्हीं कैदियों में महान कवि वरलम शलमोव भी शामिल थे, जिन्होंने कोलयमा कैंप में 15 साल जेल की सजा काटी।

तिब्बती समुदाय में कई भाईयों की होती हैं एक ही पत्नी

इस दुनिया में कई जगहों पर अलग-अलग परंपराएं हैं। दुनिया में कई जगहों पर बहुपतित्व की प्रथा भी है। हालांकि इसके पीछे अलग अलग कारण हैं। वैसे तो बहुपतित्व की प्रथा को सही नजरों से नहीं देखा जाता लेकिन एक समुदाय ऐसा भी है, जहां बहुपतित्व को बुरा नहीं माना जाता। यहां कई भाईयों की एक ही पत्नी होती है और यहां एक पत्नी कई पतियों के साथ एक ही घर में रहती है। तिब्बत में बहुपतित्व की प्रथा तिब्बत में एक महिला के कई पतियों का जिक्र मिलता रहा है। बता दें कि तिब्बत एक छोटा सा देश है, जो लंबे समय से चीन की मनमानी भी झेल रहा है। यहां जीवनयापन करने के लिए लोगों के पास ज्यादा साधन नहीं है। यहां ज्यादातर लोग किसान हैं, जो जमीन के छोटे टुकड़े पर पूरा परिवार चलाते हैं। ऐसे में अगर कई भाईयों वाले परिवार में सबकी शादियां हों और सभी के बच्चे भी हों तो छोटी जमीन के कई हिस्से हो जाएंगे। इसी मुश्किल के हल के तौर पर तिब्बती सोसायटी ने बहुपतित्व की प्रैक्टिस शुरू की। तिब्बत के गांवों में आज भी जारी प्रथा यहां बहुपतित्व के पीछे एक तर्क यह भी रहा कि एक पति अलग कमाने-खाने के लिए बाहर जाए तो घर की देखभाल उतनी ही जिम्मेदारी से दूसरा पति कर सके। यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का ने सत्तर के दशक से लेकर अब तक के कई मानवशास्त्रियों के हवाले से रिसर्च की और पाया कि अब फैमिली लॉ के आने के बाद से बहुपतित्व गैरकानूनी हो चुका है, लेकिन तिब्बती गांवों में अब भी ये जारी है। बड़े तय करते हैं शादियां यहां कई पतियों के होने की वजह से समय का बंटवारा व अन्य परेशानियां भी सुलझाई गईं। मेवलिन गोल्डस्टेन के लेख वेन ब्रदर्स शेयर ए वाइफ में मिलता है।

यूपी में भाजपा अब नहीं करेगी मुस्लिम प्रत्याशियों से परहेज

प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बोले- निकाय चुनाव में अल्पसंख्यकों को भी देंगे टिकट

» मुस्लिम बाहुल्य सीटों का पार्टी करा रही सर्वे जिताऊ उम्मीदवारों की जारी है तलाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक ओर जिला और महानगर से लेकर प्रदेश भाजपा मुख्यालय तक टिकट के दावेदारों की भीड़ लगी है। दूसरी ओर पार्टी ने निकाय चुनावों के लिए प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया अभी रोक दी है। गुरुवार से शुरू होने वाली पार्टी की विभिन्न स्तर पर बनीं स्क्रीनिंग कमेटी की बैठकों को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है।

भाजपा इस बार निकाय चुनाव में भी पूरे प्रदेश में भगवा फहराने की रणनीति तैयार कर रही है। इसके लिए पार्टी ने रोडमैप तैयार करना शुरू कर दिया है। खास बात ये है कि इस बार पार्टी हर हाल में चुनाव जीतने के लिए मुस्लिम प्रत्याशियों को भी टिकट थमा सकती है। ऐसे में ये पार्टी का एक बड़ा कदम है और इसे 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर हाईकोर्ट का रुख स्पष्ट होने के बाद ही अब यह प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। आवेदन लेने की प्रक्रिया हर स्तर पर शुरू कर दी गई। वहीं जिला, क्षेत्र और प्रदेश स्तर पर स्क्रीनिंग कमेटियां भी तय कर दी गई। इन कमेटियों को 16 दिसंबर तक आवेदन लेकर उन्हें स्क्रीनिंग के बाद आगे बढ़ाना था। अल्पसंख्यकों के लिए सीटें चिन्हित कर रही भाजपा इस बार निकाय चुनावों में अल्पसंख्यक समुदाय के प्रत्याशी भी उतारने की तैयारी कर रही है। इसके लिए वार्डों से लेकर अध्यक्ष पद तक के लिए सीटें चिन्हित की जा रही हैं। पार्टी यह प्रयोग खासतौर से उन मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में करेगी, जहां सामाजिक समीकरण की अनुकूलता न होने के कारण पिछले चुनावों में उसे सफलता नहीं मिली है। दरअसल, भाजपा अभी तक निकाय से लेकर विधानसभा और लोकसभा चुनावों तक में अल्पसंख्यक खासतौर से मुस्लिम प्रत्याशी उतारने में परहेज करती रही है। मगर इस बार पहला मौका होगा जब भाजपा यह प्रयोग करने जा रही है। दरअसल, पार्टी जोर-शोर से पसमांदा मुस्लिमों को अपने पाले में लाने की मुहिम चला रहा है। इसे आगामी लोकसभा चुनावों के लिए प्रयोग के तौर पर भी देखा जा रहा है। प्रदेश भाजपा अध्यंक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। पार्टी निकाय चुनाव में अल्पसंख्यक प्रत्याशी भी उतारेगी। अनुकूलता के हिसाब से सीटें चिन्हित की जा रही हैं।

अजीत सिंह हत्याकांड के आरोपी अखंड प्रताप सिंह की जमानत याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पिछले साल जनवरी में विभूतिखंड के कठौता चौराहे पर सरेशाम की गई अजीत सिंह की हत्या के मामले में अभियुक्त अखंड प्रताप की जमानत याचिका हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने खारिज कर दी है।

कोर्ट ने अपने आदेश में घटना को दुस्साहसिक वारदात करार देते कहा कि अभियुक्त दुर्दांत अपराधी है, उस पर 40 जघन्य अपराधों के मुकदमे दर्ज हैं। वह पूर्वांचल का बाहुबली माना जाता है, ऐसे अपराधी की समाज में कोई जगह नहीं है, उसे उसी जगह होना चाहिए, जहां वह आज (जेल में) है। यह आदेश न्यायमूर्ति दिनेश सिंह की एकल पीठ ने अभियुक्त अखंड प्रताप सिंह की जमानत याचिका पर पारित किया। अभियुक्त की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि उसे मामले में झूठा फंसाया गया है, वह घटनास्थल के आसपास भी नहीं था। याचिका का अपर शासकीय अधिवक्ता राव नरेंद्र सिंह ने विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि इस हत्याकांड का सारा ताना-बाना वर्तमान अभियुक्त और सह अभियुक्त कुंटू सिंह ने बुना था, वे दो साल से पूर्व विधायक सर्वेश सिंह की हत्या में गवाही न देने के लिए अजित सिंह को धमका रहे थे, सर्वेश सिंह की भी हत्या इन्हीं दोनों ने करवाई थी।

फोटो: सुमित कुमार

समारोह उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा अधीनस्थ कृषि सेवा (वर्ग 1) वरिष्ठ प्राविधिक सहायक (ग्रुप ए) के पद पर चयनित 431 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में कैबिनेट मंत्री सूर्यप्रताप शाही।

आज से तीन दिन तक बंद रहेगा अवध का पक्का पुल

» भार क्षमता से डेढ़ गुना ज्यादा लोड डालकर कंपन चेक किया जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

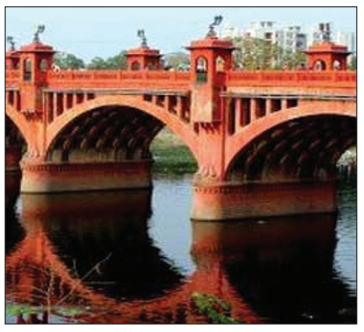

लखनऊ। भार वहन क्षमता परीक्षण के लिए शहर का पक्का पुल आज से 18 दिसंबर तक पूरी तरह बंद रहेगा। इस दौरान पुल पर तय भार क्षमता से डेढ़ गुना ज्यादा लोड डालकर कंपन चेक किया जाएगा। 19 दिसंबर से पुल छोटे वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा। आईआईटी रुड़की की टीम यह जांच करेगी और 30 दिसंबर तक रिपोर्ट सौंपेगी।

टेक्निकल एक्सपर्ट देवानंद तिवारी ने बताया कि 18 दिसंबर तक पुल पूरी तरह बंद कर इस पर सुबह, दोपहर व शाम को लोड टेस्ट किया जाएगा। इस दौरान इसकी क्षमता से डेढ़ गुना ज्यादा लोड डालकर कंपन चेक किया जाएगा। तीनों बार आए कंपन को नोट कर एक सप्ताह के लिए लैब टेस्ट होगा। जांच के बाद रिपोर्ट तैयार कर 30 दिसंबर तक पीडब्ल्यूडी विभाग को भेजी जाएगी। 19 दिसंबर से रिपोर्ट आने तक पुल पर हल्के वाहन चलाने की अनुमति रहेगी।

क्या अब चुनाव में उतार पर है मोदी मैजिक?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 15 अगस्त को लाल किले से कहा था, मैं भाग्य पर नहीं कर्म के फल पर विश्वास करता हूं। अगर नरेंद्र मोदी को अपने काम पर इतना भरोसा है, तो फिर भाजपा जातीय राजनीति के लिए कम्प्रोमाइज क्यों कर रही है? इस पर 6 बजे परिचर्चा हुई। जिसमें वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह, डॉ. अनिल जयहिंद, दिल्ली विवि के प्रो. लक्ष्मण यादव के साथ अभिषेक कुमार की लंबी परिचर्चा हुई।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सतीश के सिंह ने कहा कि देखिए कई बातें हैं। चार पांच बिंदु हैं, जिनका मैं वर्णन करना चाहूंगा। पहला ये है कि जब राज्यों में मोदी की जरूरत पड़ती है, तो 2024 का चुनाव केंद्रीय और दिल्ली के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। एक तो ये बात है, लेकिन जो 2- 4 बिंदु हैं, जरा उस पर ध्यान दें। आपकी बातों में दम है जो 2014 की लहर थी और 2019 का उफान था। वो हैं या नहीं, भारतीय जनता पार्टी के लिए यह चुनौती है इसमें कहीं से दो राय नहीं है। अभी से ये एडवांटेज है, बीजेपी के लिए है। लेकिन जो कुछ चीजें हुई है वह बहुत महत्वपूर्ण है। प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार और किन मुद्दों पर चुनाव लड़ेगी, अभी भी उसके पास हिंदुत्व का कार्ड है। नाराज बताई गई जातियों की गोलबंदी है। काशी, ज्ञानव्यापी, अयोध्या, मथुरा यही मुद्दे हैं। मैं सतीश जी की इस बात से सहमत हूं, क्योंकि असल में बीजेपी के पास कोई मुद्दा नहीं है। क्योंकि बाकी जगहों पर बीजेपी गिरी हुई है। पहली टिप्पणी मेरी यह है कि हम लोग तो एक गोल वृत्त के बाहर बैठकर विश्लेषण कर रहे हैं। हम लोग खेल में नहीं हैं। अभी हम लोग दूसरे ढंग के खेल में हैं। मुझे लगता है, जो सीधे खेल में उससे यहां पर बीजेपी को पकड़ना होगा।

डॉ. अनिल जयहिंद ने कहा कि हमारा जो देश है वह मूर्तिपूजक देश है। यहां पर व्यक्ति पूजा होती है। हालांकि, जो सिस्टम है संविधान में, वह है संसदीय प्रणाली। मतलब हम अपने सांसद चुनते हैं, वह आगे चलकर प्रधानमंत्री को चुनते हैं। लेकिन जो प्रैक्टिकली किस देश में आम नागरिक है, सीधा-सीधा मुख्यमंत्री के लिए वोट देता है या प्रधानमंत्री के लिए वोट देता है। विधानसभा और लोकसभा के चुनाव हैं। वह दोनों अलग-अलग होते हैं, जैसे दिल्ली का उदाहरण ले लीजिए दिल्ली में आप रहते हैं। दिल्ली में मुख्यमंत्री के रूप में अरविंद केजरीवाल की जगह कोई नजर नहीं आता है।

एडीजी लॉ एंड ऑर्डर के मातहत होंगे पुलिस कमिश्नर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नवगठित पुलिस कमिश्नरेट समेत अब सभी पुलिस कमिश्नरेट अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार को रिपोर्ट करेंगे। किसी भी घटना, दुर्घटना या कानून व्यवस्था की स्थिति में कमिश्नरेट के अफसरों को तत्काल एडीजी कानून व्यवस्था को बताना होगा।

अभी तक पुलिस कमिश्नरेट में तैनात पुलिस आयुक्त सीधे डीजीपी को रिपोर्ट करते थे। अब नई व्यवस्था लागू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, कानपुर और वाराणसी में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू होते ही यहां के पुलिस आयुक्त सीधे डीजीपी को रिपोर्ट करते थे। क्योंकि यहां पुलिस आयुक्त एडीजी रैंक के अफसर तैनात किए गए थे और कानून व्यवस्था का पद भी एडीजी रैंक का ही है, इसलिए एक रैंक ऊपर के अधिकारियों को रिपोर्टिंग की व्यवस्था की गई थी।

लेकिन नवगठित पुलिस कमिश्नरेट में आईजी रैंक के अफसरों की तैनाती की गई। साथ ही गौतमबुद्धनगर में भी जहां पहले एडीजी की तैनाती थी, वहां आईजी की तैनाती कर दी गई। नई व्यवस्था के बाद तय हुआ कि कमिश्नरेट के मुखिया अब डीजीपी के बजाए एडीजी कानून व्यवस्था को ही रिपोर्ट करेंगे। गौरतलब है कि हाल ही में गाजियाबाद, प्रयागराज और आगरा में भी कमिश्नरेट सिस्टम लागू किया गया है।

पहले सीधे डीजीपी को होती थी रिपोर्टिंग

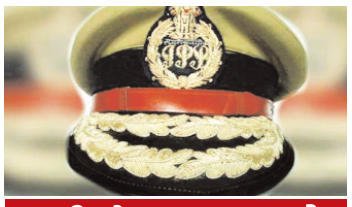

यूपी में यहां लागू है कमिश्नरेट सिस्टम

जनपद	कमिश्नर
लखनऊ	एसबी शिरोडकर
कानपुर	बीपी जोगदंड
वाराणसी	अशोक मुथा जैन
गौतमबुद्धनगर	लक्ष्मी सिंह
आगरा	डॉ. प्रीतींदर सिंह
गाजियाबाद	अजय मिश्रा
प्रयागराज	रमेश शर्मा

आरक्षण के खिलाफ आईं चार दर्जन से अधिक याचिकाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगरीय निकाय चुनाव के लिए नगर विकास विभाग की ओर से जारी अनंतिम आरक्षण के खिलाफ अब तक चार दर्जन (48) याचिकाएं इलाहाबाद उच्च न्यायालय और लखनऊ खंडपीठ में दायर हुई है। ऐसे में एक ओर जहां नगर विकास विभाग की मुश्किल बढ़ सकती है, वहीं निकाय चुनाव की अधिसूचना आगे टलने के आसार है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय में बिजनौर, हाथरस, हापुड़, इलाहाबाद, एटा, मेरठ, आगरा, फिरोजाबाद, फर्रुखाबाद, गाजियाबाद, अलीगढ़ जिलों से कुल 12 याचिका दायर हुई हैं। जबकि लखनऊ खंडपीठ में विभिन्न जिलों से तीन दर्जन से अधिक याचिकाएं दायर हुई है। लखनऊ खंडपीठ में दायर याचिकाओं पर न्यायालय ने सरकार को तीन दिन में जवाब दाखिल करने का समय दिया है।

साइकिल की गद्दी बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आग, तीन की मौत

» हादसे में घायल दोनों मजदूरों की हालत गंभीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के थाना फजलगंज में स्थित एसके इंडस्ट्रीज फैक्टरी में आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गड़रियनपुरवा चौकी क्षेत्र में स्थित इस फैक्ट्री में साइकिल की गद्दी और पैडल बनाने का काम होता है। आग शार्ट सर्किट के कारण लगी थी। रात में अचानक लगी इस भीषण आग की चपेट में आकर तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि दो की हालत अभी भी गंभीर है।

घायलों को इलाज के लिए हैलेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया जा सका। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। घटना में 11 लोगों को रेस्क्यू करके बाहर निकाला गया है।

अग्नि कांड में फैक्टरी से पांच लोगों कोसकुशल निकाला और छह लोग घायल हुए हैं। फैक्ट्री में नाइट शिफ्ट के दौरान सुबह करीब 4 बजे आग लग गई। अचानक आग भड़की। इस कारण फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर इसमें घिर गए। घटना में जयप्रकाश सिंह (50), नरेंद्र (40) उर्फ दिन्नू सैनी और प्रदीप (28) उर्फ राजू की मौत हो गयी। वहीं, गौरव और मनोज घायल हैं।

फोटो :4 पीएम

प्रदर्शन लखनऊ चारबाग स्थित केकेसी कॉलेज में छात्रसंघ चुनाव की बहाली को लेकर छात्रों ने कॉलेज परिसर में धरना प्रदर्शन किया।

इस बार एससी के शीतकालीन अवकाश में नहीं बैठेगी पीठ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस बार सुप्रीम कोर्ट में शीतकालीन अवकाश के दौरान कोई पीठ तात्कालिक मामलों की सुनवाई के लिए मौजूद नहीं रहेगी। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने आज यह बड़ा एलान किया। शीर्ष अदालत में 17 दिसंबर से 1 जनवरी तक अवकाश रहेगा।

सीजेआई चंद्रचूड़ की यह घोषणा अहम मानी जा रही है, क्योंकि केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू ने गुरुवार को ही राज्यसभा में कहा था कि लोगों का मानना है कि अदालतों की लंबी छुट्टियां न्याय चाहने वालों के हित में नहीं हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने आज सुनवाई शुरू होने के पूर्व अपने कोर्ट रूम में मौजूद वकीलों को सूचित किया कि कल से 1 जनवरी तक कोई बेंच उपलब्ध नहीं होगी।

गड्ढामुक्त नहीं सड़कें, रुपयों का हो रहा बंदरबांट : अखिलेश

» सपा अध्यक्ष ने कहा- निर्माण कार्य के नाम पर भ्रष्टाचार में आए दिन नए रिकॉर्ड बना रहा उत्तर प्रदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार हर दिन नए रिकार्ड बना रहा है। प्रदेश में सड़कों के निर्माण और गड्ढामुक्त सड़कों के नाम पर बजट का ऐसा बंदरबांट पहले कभी नहीं हुआ था। इस सरकार में सड़क निर्माण की गुणवत्ता शून्य है।

अखिलेश ने कहा कि निर्माण और निर्माण अनुरक्षण के नाम पर बजट की लूट हो रही है। इसी तरह से पिछले छह वर्षों से सड़कों के गड्ढामुक्त के नाम पर हजारों करोड़ रुपये का बंदरबांट हो चुका है। सड़कें आज तक गड्ढामुक्त नहीं हो पाई। सरकार गड्ढामुक्त अभियान की तारीखें बढ़ाती रही, लेकिन सड़कों को गड्ढामुक्त नहीं कर पाई। प्रदेश की सड़कों का हाल छोड़िए राजधानी लखनऊ की सड़कों की भी हालत खस्ता है। सरकार लखनऊ की सड़कों को भी ठीक नहीं कर पा रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।